उरैन

श्री हरिविष्णु अवस्थी
टीकमगढ़, द्वारा
प्रदत्त पुस्तकें / पत्रिकायें

डॉ. कामिनी

Scanned with OKEN Scanner

पुस्तक : उरैन
लेखिका : डॉ. कामिनी
प्रकाशक : आराधना ब्रदर्स
प्रकाशक एवं वितरक
124 / 152-सी ब्लाक,
गोविन्द नगर, कानपुर-208 006 (उ.प्र.)
ईमेल : aradhanabooks@rediffmail.com
दूरभाष : 0512.2651490, 09935007102
ISBN : 978-81-89076-62-7
संस्करण : प्रथम 2014
मूल्य : ₹ 350/-
शब्द-सज्जा : च्वाईस कम्प्यूटर, कानपुर
मुद्रक : रुचिका प्रिंटर्स, दिल्ली

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रम

भूमिका	7-9
सम्मति	10
अभिमत	11
अपनी बात	12-13
1. बुंदेलखंड की लोक–संस्कृति और ऋतु–गीत	17-25
2. शरद ऋतु में लोक–जीवन के स्वर	26-33
3. बुंदेलखंड में वसंत	34-39
4. बुंदेलखंड में होली	40-47
5. बुंदेलखंड में वर्षा–गीत	48-54
6. संस्कार गीत माधुर्य के विविध रूप	55-63
7. बुंदेलखंड की नारियाँ और लोक–कलायें	64-66
8. बुंदेलखंड की क्रांतिकारी नारियाँ	67-70
9. बुंदेलखंड की नारी के सोलह सिंगार और बारह आभूषण	71-73
10. लोक साहित्य परंपरा और बुंदेली भजन	74-81
11. बुंदेलखंड की महिला साहित्यकार	82-88
12. बुंदेली–भाषा के विविध रूप और उनमें एकत्व की संभावना	89-91
13. बुंदेलखंड के स्थान–नाम	92-95
14. बुंदेली का मानकीकरण	96-99
15. बुंदेलखंड में जलधाराओं की अर्चन–परम्परा	100-107
16. इतिहास को प्रमाणित करती बुंदेलखंड की पत्र–पांडुलिपियाँ	108-112
17. दतिया जिले की संस्कृति	113-115
18. साधक कवि ऐंनसाई	116-118

Scanned with OKEN Scanner

19. बजीर की गारियों में लोकरंजन एवं समसामयिक बुंदेलखंड 119-125
20. बुंदेली माटी के अमूल्य रत्न : भैयालाल व्यास 126-129
21. सीताकिशोर के बुंदेली दोहे : अमूल्य धरोहर 130-133
22. दतिया जिले की साहित्य परंपरा 134-143
23. दतिया जिले के इतिहास की पृष्ठभूमि 144-145
24. अरसठ तीर्थों का भानेज–सनकुआँ 146-148
25. सेंवढ़ा में शिक्षा के प्रयास स्वरूप एवं संभावनायें 149-151
26. दतिया जिले के ग्राम–नामों से संबंधित लोकोक्तियाँ 152-155
27. सेंवढ़ा का ऐतिहासिक महत्त्व 156-158
28. आस्था और इतिहास के संदर्भों में रतनगढ़ 159-162
29. दतिया : पौराणिक एवं ऐतिहासिक दर्पण में 163-166
30. बुंदेलखंड के रामभक्त मुसलमान कवि 167-172
31. लोक साहित्य में जीवन मूल्यों की तलाश 173-176

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner